शनिवार
33 साल से देहरादून का विश्वास
10 मई 2025
● देहरादून
● वर्ष 33
● अंक 99
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

हेली सेवाओं पर सस्पेंस

केंद्र से क्लीयरेंस न मिलने से रुकी हेली सेवा: सोनिका

चारधाम यात्री परेशान, घोड़े-खच्चर भी बीमार

विशेष संवाददाता

देहरादून। आज सुबह से राज्य की हेली सेवाओं को सस्पेंड किए जाने की खबर आई तो इसे लेकर राज्य में चल रही चारधाम यात्रा पर आये यात्रियों में हड़कंप मच गया। दोपहर ढाई-तीन बजे तक इस खबर को लेकर कई तरह की चर्चाएं बनी रही लेकिन स्थिति स्पष्ट न हो सकी।

तमाम टीवी चैनलों और अखबारों की वेबसाइट पर इस खबर को ऑपरेशन सिंदूर से जोड़कर सुरक्षा के मद्देनजर हेली सेवाओं को केंद्र सरकार के दिशा निर्देशों पर सस्पेंड किए जाने की खबर प्रमुखता से दिखाई गई। इस बाबत हेलीपैड अधिकारियों से संपर्क करने पर सेवाएं बंद किए जाने की पुष्टि तो की गई मगर इसका कारण नहीं बताया गया। राज्य के सूचना विभाग द्वारा भी इसके बारे में कोई स्पष्ट स्थिति नहीं बताई गई।

केंद्र सरकार द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन सिंदूर के तहत ही हेली सेवाओं को सुरक्षा के मद्देनजर बंद किए जाने की खबर से चारधाम यात्रियों में भी खलबली स्वाभाविक थी। क्योंकि कुछ यात्रियों द्वारा इसकी एडवांस बुकिंग कराई हुई थी ऐसी स्थिति में उन्हें लगा कि शायद अब उन्हें अपनी यात्रा कैंसिल ही करनी पड़ेगी। इसके साथ ही यह भी खबर आई कि सिर्फ चारधाम हेली सेवा ही सस्पेंड नहीं की गई है बल्कि राज्य के दूसरे हिस्सों में संचालित होने वाली हेली सेवाएं भी अगले आदेश तक रोक दी गई है।

इस बाबत युकाडा की हेड श्रीमती सोनिका से जब संपर्क किया गया तो उन्होंने बताया कि चारधाम हेली सेवा को आज रोका गया था लेकिन उन्होंने इसका कारण इन हेली कंपनियों को किसी क्लीयरेंस का न मिलना बताया गया। साथ ही उन्होंने यह भी जानकारी दी कि अब केंद्रीय उड्यन मंत्रालय से क्लीयरेंस मिल गया है और इन हेली सेवाओं को शुरू किया जा रहा है। राज्य में मौसम भी खराब चल रहा है समाचार लिखे जाने तक हेली सेवाएं शुरू नहीं की जा सकी है। हेली सेवाओं के बंद होने से यात्रियों को परेशानी होना इसलिए भी स्वाभाविक है क्योंकि घोड़े खच्चर पहले से ही बीमार चल रहे हैं जिसके कारण यह सेवा भी सुचारू रूप से नहीं चल पा रही है।

दून वैली मेल

संपादकीय

सटीक रणनीति, माकूल जवाब

पहलगाम के आतंकी हमले के 15 दिन बाद भारत द्वारा पाकिस्तान की इस कायराना हरकत का जवाब देने की गरज से जो ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया है उसके तीसरे दिन तक पहुंचते-पहुंचते अब यह साफ हो चुका है कि भारतीय सेना और रक्षा विशेषज्ञों द्वारा आप्रेशन सिंदूर की कामयाबी सुनिश्चित करने के लिए एक बेहतरीन रणनीति तैयार की गई है। भारत ने यह अभियान हवा में अंजाम नहीं दिया है। हर बार की तरह पाकिस्तान इस मुगालते में था कि इसे लेकर भारत फिर हल्का-फुल्का कोई एक्शन लेगा और शांत होकर बैठ जाएगा। ऑपरेशन सिंदूर न सिर्फ पूरी तैयारी के साथ शुरू किया गया है बल्कि इसके लिए बाकायदा एक चरणबद्ध प्लान तैयार किया गया है। पहले चरण में भारत द्वारा सीमा पार आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले व उन्हें नेस्तानाबूद करने की योजना में भारत पूरी तरह से सफल रहा। पाकिस्तान चिल्लाता रहा कि भारत ने उस पर मिसाइल हमला कर उन्हें युद्ध की चुनौती दी है। लेकिन भारत का रुख साफ था कि उसने पाकिस्तान या पाक के फौजी ठिकानों पर हमला नहीं किया है और आम नागरिकों को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया है। आतंकवादियों के सहारे भारत के खिलाफ छद्म युद्ध लगातार जारी रखने वाली पाकिस्तानी फौज और उनकी सरकार इस हमले से इस कदर तिलमिला गई है कि उसने भारत के सैन्य ठिकानों और धार्मिक स्थलों के साथ आम जनता पर ही ड्रोन व मिसाइल हमले करने शुरू कर दिए। आतंकियों के ताबूतों को पाकिस्तानी झंडों से ढकने और सेना के अधिकारियों के जनाजे में शरीक होने पर पूरे विश्व के सामने यह साफ हो गया है कि पाकिस्तानी सरकार और फौज का इन आतंकियों को पूर्ण समर्थन है। भारत की एयर डिफेंस प्रणाली के सामने जब पाकिस्तान फौज के सभी ड्रोन और मिसाइल हमले नाकामयाब हो गए तो पाकिस्तानी फौज और मीडिया भ्रामक सूचना फैलाने पर अमादा हो गये तथा सीमा पार से पाकिस्तानी फौज बमबारी कर आवासीय क्षेत्रों मंदिर-गुरुद्वारों तथा अस्पतालों को निशाना बना रहे है। जिसके जवाब में भारत को अब उसके एयरवेज लॉन्चिंग पैड तथा सैन्य ठिकानों पर हमला करने पर मजबूर कर दिया गया है। लेकिन भारत अभी भी पाकिस्तान से युद्ध नहीं लड़ रहा है, हां उसने अब पाकिस्तानी फौज और एयरवेज को निशाने पर जरूर ले लिया बीती देर रात भारत ने कराची, लौहार और रावलपिंडी सहित कई एयरवेज और फौजी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया है। भले ही उसके द्वारा अपनी फतह वन जैसी मिसाइल और चीन निर्मित मिसाइल भारत पर दागी गई हो लेकिन अब उसका कोई भी प्रयास सफल होता नहीं दिख रहा है। इन तीन दिनों में भारत की सटीक रणनीति ने उसे नाकाम साबित कर दिया है। आज रक्षा और विदेश मंत्रालय की पत्रकार वार्ता में एक बार फिर यह साफ कर दिया गया है कि अभी भारत को कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ है लेकिन पाक जितना भी सीमाओं का अतिक्रमण करेगा भारत उसे उतना ही करारा जवाब भी देगा। लगता है की पिक्चर अभी भी बाकी है कहां जाकर खत्म होगी इसका जवाब आने वाला समय ही देगा।

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत किया विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

कार्यालय संवाददाता

रुद्रपुर। सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रुद्रपुर में 78यू0के0 बटालियन के तत्वाधान में आज दबब इकाई ने नशा मुक्त भारत अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया। कार्यक्रम में प्राचार्य प्रो0 राजेश उभान, डॉ0 वीके खान, डॉ0 राजेश कुमार एवं डॉ0 शलभ गुप्ता अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में 50 कैडेट उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में कैडेट्स ने भाषण एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले कैडेट्स को प्राचार्य महोदय द्वारा पुरस्कार वितरण भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय में दबब वपिबमत लेफ्टिनेंट डॉक्टर निमिता कन्याल द्वारा किया गया कार्यक्रम में मुख्य आकर्षण का केंद्र था नुक्कड़ नाटक जिसका संचालन महाविद्यालय परिसर में किया गया जिससे कि समस्त युवाओं को नशा मुक्ति का संदेश मिल सके।

जिसे लोगों ने बनाया था कूड़ाघर, वहां बनाया व्यू प्वाइंट!

लोकेंद्र सिंह बिष्ट

चलो आज बात करते हैं, मां गंगाजी के तट जोशियाड़ा में स्थापित मां गंगाजी की मूर्ति और व्यू पॉइंट की। पिछले 2 वर्षो से हमारे और तब के जिलाधिकारी रहे अभिषेक रुहेला के अथक प्रयासों से नगरपालिका द्वारा आज उस जगह बन चुका है मां गंगा व्यू प्वाइंट, जहां लोगों ने बना दिया था कूड़ाघर।

दरअसल झूलापुल के जोशियाड़ा की तरफ की ओर जहां मां गंगाजी के तट को लोगों ने कूड़ाघर बना दिया था। कई बार जिला प्रशासन, नगरपालिका प्रशासन और गंगा विचार मंच के साथ जनप्रतिनिधियों ने स्वच्छता अभियान चलाया। लेकिन कोई हल नहीं निकला। कूड़ा बदस्तूर फेंका जाना जारी रहा। न हालत ही बदले न ही लोग बदले। अंततः हमने तब के जिलाधिकारी को इस जगह गंगा व्यू प्वाइंट बनाने की सलाह दी। इस पर नगरपालिका प्रशासन ने भी तत्परता दिखाई। इधर जिले में नए जिला अधिकारी डॉ मेहरबान सिंह बिष्ट ने भी सहयोग किया और नगरपालिका में प्रशासक नियुक्त होने के बाद टेंडर के बाद निर्माण कार्य शुरू हुआ।

झंझट बहुत आए, कभी जमीन का लफड़ा कभी कब्जे का लफड़ा। खैर गंगा व्यू प्वाइंट बनने के साथ साथ व्यू पॉइंट में मां गंगा जी की एक भव्य दिव्य मूर्ति लगाने का भी विचार आया।

मूर्ति कौन बनाएगा? कहां बनेगी? कहां से बनकर आएगी? पैसा कहां से आएगा? इतने सारे सवाल थे लेकिन मन ने ठान ली थी। डीएम डॉ मेहरबान सिंह बिष्ट जी से बात की, एसडीएम/तब के प्रशासक रमोला जी से बात की। नागपालिका के जेई कुड़ियाल जी से बात की और बजट की बात बन गई। अब भी सवाल था कि मूर्ति कौन बनाता है? किस मैटेरियल की बनती है?

स्वामी चेतन जी, विवेकानंद फाउंडेशन स्कूल गणेशपुर से बात की तो मूर्तिकार मिल गए। कलकत्ता के संजय सरकार जी ने फाइबर ग्लास की मूर्ति बनाने के कार्य को स्वीकार किया। 2525 किलोमीटर दूर कलकत्ता से उत्तरकाशी तक मूर्ति को बिना टूट फुट के पहुंचाना/लाना भी एक दुष्कर कार्य था। लेकिन सब ठीक ठाक से हो गया।

मां गंगाजी की यह पहली मूर्ति है जो गोमुख गंगोत्री से लेकर हरिद्वार के बीच उत्तरकाशी में मां गंगा जी के तट पर स्थापित की गई है। गंगा विचार मंच के दो वर्षों के अथक प्रयासों से और तबके जिलाधिकारी अभिषेक रुहेला की पहल से नगरपालिका परिषद बाड़ाहाट उत्तरकाशी के वित्तीय मदद से उत्तरकाशी के जोशियाड़ा में मां गंगा जी के तट पर व्यू पॉइंट के साथ जिलाधिकारी डॉ मेहरबान सिंह बिष्ट और नगरपालिका के प्रशासक रहे मुकेश रमोला, अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौहान, अधिशासी अधिकारी शालिनी चित्रण, इंजीनियर कुड़ियाल जी के अथक प्रयासों से मां गंगाजी की 5 फीट ऊंची भव्य दिव्य मूर्ति विराजमान हुई है। 2525 किलोमीटर दूर कलकत्ता से बनकर आई इस दिव्य भव्य मूर्ति को मूर्तिकार संजय सरकार ने बनाया है।

मां गंगा जी की मूर्ति के 4 मई 2025 को अनावरण कार्यक्रम में जिला पंचायत उत्तरकाशी के पूर्व अध्यक्ष नत्थी लाल शाह, सभासद वंदना नौटियाल, सभासद संतोषी राणा, सभासद सुषमा डंगवाल, सभासद सुनीता नेगी, सभासद आदित्य चौहान, सभासद देवराज सिंह बिष्ट, सभासद मनीष पंवार, मनोज शाह, नगरपालिक की अधिशासी अधिकारी शालिनी चित्रण, इंजीनियर जितेंद्र कुड़ियाल, कुसुम राणा ,सुशांत राणा सहित नगरपालिका के अधिकारी और कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

निरीक्षण करने पहुंचे राजस्व अधिकारी से की अभद्रता

देहरादून (सं)। निरीक्षण करने पहुंचे राजस्व अधिकारी से अभद्रता करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजस्व उपनिरीक्षक सभावाला जितेन्द्र सिंह ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि आज दोपहर साढे 12 बजे मोजा शीशमबाडा परगना पछवादून तहसील विकासनगर पर राजस्व विभाग के अधिकारी स्थलीय निरीक्षण पर पहुंचे स्थल पर लव कुमार पुत्र स्व. रामेन्द्र निवासी ग्राम माजरा निकट ओल्ड पोस्ट ऑफिस वाली गली के द्वारा राजस्व अधिकारी तहसीलदार विकासनगर से अभद्र व्यवहार किया गया व सरकारी कार्य में बाधा व सरकारी सम्पत्ति (कार/जीप) को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया गया व टायर की हवा निकाली गई। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

बिना रिश्वत नहीं होता कोई काम प्रदेश में: नेगी

हमारे संवाददाता

विकासनगर। जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि जिस प्रकार से विजिलेंस द्वारा रिश्वतखोरों व भ्रष्टाचारियों को अपने शिकंजे में लिया जा रहा है, उससे प्रतीत होता है कि प्रदेश का कोई भी विभाग एवं उसके अधिकारी व कर्मचारी बगैर रिश्वत कोई काम नहीं करते है। यहां तक कि कोई पत्रावली बगैर सुविधा शुल्क के एक इंच भी आगे नहीं बढ़ती। विजिलेंस टीम द्वारा सराहनीय काम किया जा रहा है,लेकिन सरकार के लिए है यह शर्म की बात है।

उन्होने कहा कि जिस प्रकार से रिश्वतखोर पकड़े जा रहे हैं, उसको लेकर सरकार अपनी पीठ थपथपा रही है, लेकिन हकीकत में सरकार की यह सबसे बड़ी असफलता है। उन्होने कहा कि कर्मचारी व अधिकारी सरकार का ही अनुसरण कर रहे हैं। अगर प्रदेश में सब कुछ ईमानदारी से चल रहा होता तो यह रिश्वतखोर क्यों पकड़े जाते। आलम यह है कि सिर्फ छोटी-छोटी मछलियां ही पकड़ी जा रही हैं,जबकि बड़े-बड़े मगरमच्छ रूपी नेता और अधिकारी सब प्रदेश को लूटने में लगे हैं, लेकिन इन पर हाथ नहीं डाला जा रहा है। विपरीत इसके सरकार मगरमच्छों का बचाव कर रही है।

उन्होने कहा कि अगर आंकड़ों की बात करें तो पकड़े गए रिश्वतखोरों व भ्रष्टाचारियों में यह आंकड़ा न के बराबर है। गौर करने वाली बात यह है कि अधिकांश रिश्वतखोरों को पकड़वाने में जनता दिलचस्पी नहीं लेती कि कौन पचड़े में पड़े। अगर सब लोग इन भ्रष्टाचारियों के खिलाफ आगे आयें तो परिणाम चौंकाने वाले होंगे तथा सरकार का फर्जी जीरो टॉलरेंस भी बेनकाब होता। उन्होने कहा कि मोर्चा सरकार को आगाह करता है कि पकड़े गए रिश्वतखोरों व भ्रष्टाचारियों के मामले में अपनी पीठ थपथपाने के बजाय शर्मसार हों। पत्रकार वार्ता में हाजी असद व प्रवीण शर्मा पिन्नी मौजूद रहे।

गर्मियों के दौरान क्यों जरूरी है सनस्क्रीन?

गर्मियों में सूरज की किरणें हमारी त्वचा पर गहरा असर डालती हैं। यूवी किरणें त्वचा की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचा सकती हैं, जिससे उम्र से पहले झुर्रियां, दाग-धब्बे और यहां तक कि त्वचा के गंभीर रोग भी हो सकते हैं। इसलिए हर किसी को अपनी त्वचा की देखभाल के लिए सनस्क्रीन का इस्तेमाल जरूर करना चाहिए।

आइए जानते हैं कि त्वचा के प्रकार के अनुसार सनस्क्रीन का चयन कैसे करना चाहिए।

तैलीय त्वचा के लिए कैसा होना चाहिए सनस्क्रीन का चयन?

अगर आपकी त्वचा तैलीय है तो आपको ऐसी सनस्क्रीन का चयन करना चाहिए, जो जेल आधारित हो, हल्की हो और बिना तेल वाली हो। इसके अलावा ऐसी सनस्क्रीन का चयन करें, जिसमें सूरज की हानिकारक किरणों से बचाव के लिए उपयुक्त गुण हों। इस तरह की सनस्क्रीन का इस्तेमाल करने से आपकी त्वचा पर चिपचिपाहट नहीं होगी और यह इसे सूरज की हानिकारक किरणों से बचाएगी।

रूखी त्वचा के लिए कैसे होनी चाहिए सनस्क्रीन?

अगर आपकी त्वचा रूखे प्रकार की है तो आपको क्रीम आधारित और नमी देने वाली सनस्क्रीन का चयन करना चाहिए। यह आपकी त्वचा को नमी देने के साथ-साथ सूरज की हानिकारक किरणों से भी बचा सकती है। इसके अलावा ऐसी सनस्क्रीन का चयन करें, जो आपकी त्वचा को पूरी तरह से सुरक्षा प्रदान करें और आपकी त्वचा नमी युक्त बनी रहे।

संवेदनशील त्वचा के लिए क्या है सही?

संवेदनशील त्वचा वालों के लिए ऐसी सनस्क्रीन का चयन करना चाहिए, जो बिना सुगंध वाली हो और प्राकृतिक तत्वों से बनी हो क्योंकि किसी भी तरह के आर्टिफिशियल तत्व त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं। संवेदनशील त्वचा वालों की सनस्क्रीन में एलोवेरा, खीरा या ग्रीन टी जैसे तत्व होने चाहिए। ये तत्व संवेदनशील त्वचा को ठंडक पहुंचाने के साथ ही सूरज की हानिकारक किरणों से बचाने में मदद कर सकते हैं।

मिश्रित त्वचा के लिए किस तरह की सनस्क्रीन होगी बेहतर?

अगर आपकी त्वचा मिश्रित है तो आपको नमी देने वाले गुणों से भरपूर ऐसी सनस्क्रीन का चयन करना चाहिए, जो आपकी त्वचा के तैलीय हिस्से को नियंत्रित करने में मदद करेगी। इसके अतिरिक्त सनस्क्रीन का चयन करते समय इस बात का भी ध्यान रखें कि यह आपकी त्वचा को पूरी सुरक्षा प्रदान करे। इस तरह की सनस्क्रीन का इस्तेमाल करने से आपकी त्वचा पर चिपचिपाहट नहीं होगी और यह इसे सूरज की हानिकारक किरणों से बचाएगी।

सनस्क्रीन का इस्तेमाल कैसे करना चाहिए?

सबसे पहले अपने चेहरे को धोकर हल्के हाथों से सुखाएं, फिर चेहरे, गर्दन और हाथों पर अच्छी तरह से सनस्क्रीन लगाएं। अगर आप बाहर किसी कार्यक्रम में जा रहे हैं तो सनस्क्रीन को कुछ समय पहले ही लगाएं ताकि आपकी त्वचा इसे अच्छी तरह से सोख सके। इसके अतिरिक्त हर कुछ घंटे के बाद सनस्क्रीन को दोबारा लगाएं। इस प्रक्रिया को अपनाकर आप अपनी त्वचा की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं।

पलक तिवारी की रोमियो एस3 का पहला पोस्टर जारी

गुड्डू धनोआ निर्देशित फिल्म 'रोमियो एस3' का पहला लुक पोस्टर सामने आया है। इस पोस्टर में बॉलीवुड में कुछ वक्त पहले ही शुरुआत करने वाली एक एक्ट्रेस नजर आ रही हैं। साथ ही फिल्म के पोस्टर से साफ लगता है कि यह एक एक्शन फिल्म होने वाली है। जानिए, इसके लीड एक्टर्स कौन हैं? और इसकी कहानी क्या है?

फिल्म 'रोमियो एस3' में पुलिस ऑफिसर के रोल में ठाकुर अनूप सिंह हैं और पलक तिवारी हीरोइन बनी हैं। यह फिल्म 16 मई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। पलक तिवारी ने कुछ वक्त पहले ही अपना बॉलीवुड करियर शुरू किया है, वह टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की बेटी हैं। पलक ने सलमान खान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' की थी। वह जल्द ही फिल्म 'द भूतनी' में भी नजर आएंगी। फिल्म 'रोमियो एस3' में पुलिस वाले के रोल में अनूप हैं तो पलक ने एक पत्रकार का रोल किया है। इन दोनों का सामना एक ड्रग कार्टेल से हो जाता है। इसके बाद इनकी जिंदगी में तरह-तरह की मुश्किल आती हैं। फिल्म की कहानी में हमारे आसपास होने वाले भ्रष्टाचार को भी दिखाया जाएगा। अब तक इस तरह की कहानी पर कई फिल्में बन चुकी हैं। 'रोमियो एस3' किन मायनों में अलग होगी, यह रिलीज के बाद पता चलेगा।

एलोवेरा जेल लगाने के बाद फेसवॉश करना सही या गलत...!

एलोवेरा जेल प्रकृति से प्राप्त एक ऐसी औषधि है जो ना सिर्फ हमारी सेहत को दुरुस्त रखने का काम करती है बल्कि ये आपकी खूबसूरती निखारने में भी सहायक है। ज्यादातर लोग एलोवेरा का इस्तेमाल चेहरे और बालों पर करते है, ताकि उनमें नेचुरल शाइन आ सकें। चाहे वो कोई फेस पैक हो हेयर पैक हो या नाइट क्रीम एलोवेरा जेल को हर तरीके से यूज किया जा सकता है। लेकिन सवाल ये उठता है कि एलोवेरा जेल को फेस पर अप्लाई करने के बाद साबुन से चेहरे को वॉश करना चाहिए या नहीं। क्या ऐसा करना जरूरी है, या फिर ऐसा करने से एलोवेरा का प्रभाव कम हो सकता है। खैर, यहां हम आपको आपके इसी सवाल का जवाब देने वाले है, ताकि आप ये जान सकें कि एलोवेरा लगाने के बाद फेशवॉश करना सही है या गलत।

एलोवेरा लगाने के बाद फेसवॉश करें या नहीं

वैसे हम चेहरे को धोते क्यूं है, शायद उसे क्लीन करने के लिए, उस पर जमा गंदगी हटाने के लिए या फिर रिफ्रेश महसूस करने के लिए। तो ये तीनों काम एलोवेरा जेल की मदद से भी किए जा सकते है। बल्कि एलोवेरा जेल अपने आप में एक क्लींजर है जो आपके चेहरे की कुदरती रंगत लौटाता है। इसलिए अगर आप अब तक एलोवेरा को चेहरे पर लगाने के बाद साबुन से चेहरा वॉश करने की गलती करती आई है, तो आज से ही इस गलती को सुधार लें।

क्यूंकि ऐसा करने से आपके चेहरे का पीएच बैलेंस खराब हो सकता है। इसलिए आप चाहे एलोवेरा फेस पैक की तरह प्रयोग करें या मास्क के रूप में किसी भी हाल में साबुन से चेहरा धोने से बचें। अगर आपने ये जेल लगाने के बाद चेहरा धोया तो इसके अलग साइडइफेक्ट निकल कर आ सकते है।

एलोवेरा के स्किन बेनिफिटस चेहरे पर एलोवेरा लगाने के अनगनित फायदे है। यह स्किन से जुड़ी कई तरह की समस्याओं से छुटकारा दिलाने में मदद करता है। साथ ही साफ और निखरी त्वचा पाने में भी मदद करता है। एलोवेरा एंटी-बैक्टीरियल, एंटीसेप्टिक और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है। साथ ही इसमें विटामिन बी1, बी2, बी6, बी12 भी प्रचुर मात्रा में होते हैं। यही कारण है कि त्वचा संबंधी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए लोग एलोवेरा का अधिक इस्तेमाल करते हैं।

ये जेल फ्री-रेडिकल्स से लड़ने, चेहरे की गहराई से सफाई करने, मुहांसों की सूजन को कम करने में सहायक है। एलोवेरा लगाने से चेहरे की स्किन में टाइटनेस आती है। जिसकी मदद से झुर्रियां और फाइन लाइन्स कम होती है, और आपका चेहरा हमेशा जवां खूबसूरत नजर आ सकता है। एलोवेरा को नाइट क्रीम के तौर पर भी इस्तेमाल किया जा सकता है, इससे चेहरे के दाग-धब्बों, टैनिंग, पिगमेंटेशन से छुटकारा पाने में मदद मिलती है और चेहरे की रंगत में सुधार आता है। एलोवेरा स्किन के लिए एक परफेक्ट मॉइस्चराइजर के रूप में भी काम करता है। जब आप अपने चेहरे पर एलोवेरा लगाते है तो उसमें मॉइश्चर लॉक हो सकता है और स्किन हाइड्रेट रहती है। खासकर जिनकी ड्राई स्किन है, वो एलोवेरा के इस्तेमाल से सॉफ्ट और स्मूद स्किन पा सकते है।

किशोरों का जल्दी सोकर देर से उठने पर तेज होता है दिमाग, अध्ययन में हुआ खुलासा!

हमेशा से हमें जल्दी सोकर सुबह जल्दी उठने की सलाह मिली है, लेकिन हाल ही में सामने आए एक अध्ययन से पता चला है कि अगर किशोर जल्दी सो जाते हैं और अधिक समय तक सोते हैं तो उनका दिमाग तेज होता है।

इसके अतिरिक्त वे अन्य की तुलना में संज्ञानात्मक परीक्षणों में भी बेहतर प्रदर्शन कर पाते हैं।

आइए इस अध्ययन के बारे में विस्तार से जानते हैं।

3,000 से अधिक किशोरों पर किया गया अध्ययन

यह अध्ययन 3,000 से अधिक किशोरों पर किया गया, जिससे पता चला है कि जो किशोर सबसे पहले सो जाते हैं और लंबे समय तक सोते हैं, साथ ही जिनकी नींद के दौरान ह्रदय गति कम होती है, वे पढ़ने, शब्दावली, समस्या समाधान और अन्य मानसिक परिक्षणों में दूसरों से बेहतर प्रदर्शन करते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, 13 से 18 वर्ष के बच्चों को 8-10 घंटे की नींद लेनी चाहिए।

इस तरह से किया गया अध्ययन

इस अध्ययन में शामिल प्रतिभागियों के मस्तिष्क स्कैन, संज्ञानात्मक परीक्षण किया गया और फिटबिट का इस्तेमाल करके उनकी नींद को ट्रैक किया गया।

किशोरों को तीन समूहों में बांटा गया। पहला समूह में से 39 प्रतिशत रात में 7 घंटे और 10 मिनट सोएं, जबकि दूसरे समूह में से 24 प्रतिशत किशोर 7 घंटे और 21 मिनट सोएं।

तीसरे समूह में शामिल 37 प्रतिशत किशोर 7 घंटे और 25 मिनट सोएं। साथ ही नींद में ह्रदय गति भी कम थी।

बेहतर नींद से होता है संज्ञानात्मक क्षमताओं का विकास- बारबरा साहकियन

कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में क्लिनिकल न्यूरोसाइकोलॉजी की प्रोफेसर बारबरा साहकियन ने कहा, हमें लगता है कि नींद बेहतर संज्ञानात्मक क्षमताओं को प्रेरित करती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि हम नींद के दौरान अपनी यादों को मजबूत करते हैं।

शंघाई में फुडन विश्वविद्यालय के साहकियन की टीम और शोधकर्ताओं ने किशोर मस्तिष्क संज्ञानात्मक विकास अध्ययन में 3,222 युवाओं के डेटा का विश्लेषण किया, जो अमेरिका में मस्तिष्क विकास और बाल स्वास्थ्य पर सबसे बड़ी दीर्घकालिक जांच है।

नींद में मामूली अंतर भी डाल सकता है शरीर पर बड़ा प्रभाव

साहकियन ने कहा कि यह आश्चर्यजनक था कि नींद में मामूली अंतर का इतना प्रभाव पड़ा।

उन्होंने आगे कहा, यह अध्ययन सुझाव देता है कि नींद की मात्रा में छोटे अंतर समय के साथ परिणामों में बड़ा अंतर पैदा कर सकते हैं। यॉर्क विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान के प्रोफेसर गैरेथ गैसकेल ने कहा कि वह किशोरावस्था से जुड़े अध्ययनों के तरीके को और अधिक देखना चाहते हैं ताकि वे उन किशोरों की मदद कर सकें, जिनका नींद पैटर्न शायद कमजोर हो।(आईएनएस)

ब्लास्ट हो सकता है स्मार्टफोन, न करें यह गलती

स्मार्टफोन में विस्फोट होना कोई बड़ी बात नहीं है। चाहे फोन कितने भी प्रीमियम क्यों न हो फोन में कुछ गलतियों के चलते आग लग सकती है या फिर फोन एक्सप्लोड हो सकता है। कई बार ये मैन्यूफैक्चर की गलती होती है तो कई बार इसमें हमारी भी गलती होती है। अब जरूरी बात यह है कि आखिर ये गलतियां क्या हैं। आज के इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कि आखिर वो कौन-सी गलतियां हैं जो करने से फोन में विस्फोट होने की घटनाएं बढ़ सकती हैं। चलिए जानते हैं।

मैन्यूफैक्चरिंग फॉल्ट

फोन के फटने का एक मेजर कारण उसकी मैन्युफैक्चरिंग में खराबी है। फोन में दी गई लिथियम-आयन बैटरी को अगर ठीक से टेस्ट न किया जाए तो यह खराबी के चलते विस्फोट हो सकती है। यह आमतौर पर तब होता है जब बैटरी के अंदर के सेल्स ज्यादा टैम्प्रेचर तक पहुंच जाते हैं। इसके परिणामस्वरूप थर्मल बाहर निकलता है। ऐसा माना जाता है कि सस्ती बैटरीज के शॉर्ट सर्किट होने की संभावना अधिक होती है।

थर्ड पार्टी चार्जर का इस्तेमाल करना

यह एक नॉर्मल गलती है। हम में से ज्यादातर लोग ऐसा करते होंगे। किसी थर्ड पार्टी चार्जर से फोन को चार्ज करना काफी खतरनाक साबित हो सकता है। थर्ड-पार्टी चार्जर में अक्सर उन चीजों की कमी होती है जिनकी जरूरत हैंडसेट में सबसे ज्यादा होती है। ऐसे में थर्ड पार्टी चार्जर फोन को डैमेज कर सकती हैं और फोन में शॉर्ट सर्कट हो सकता है।

रात भर चार्ज करना

फोन को रातभर चार्जर पर लगाना बेहद नुकसानदेह साबित हो सकता है। हम में से ज्यादातर लोगों की आदत होती है कि सोते समय फोन को चार्जिंग पर लगा देते हैं। यह बैटरी पर काफी प्रेशर बनाता है। फोन को ज्यादा चार्ज करने से ओवरहीटिंग, ओवरचार्जिंग, शॉर्ट-सर्किट जैसी परेशानियां हो सकती हैं। हालांकि, कई स्मार्टफोन अब एक चिप के साथ आते हैं जो बैटरी लेवल 100 फीसद होने पर करंट के प्रवाह को रोक देता है। लेकिन पुराने फोन्स में ऐसी सुविधा मौजूद नहीं है।

फोन को गर्मी में या धूप में रखना

ज्यादा गर्मी फोन की बैटरी को खराब कर सकती है। इससे सेल्स थोड़े अस्थिर हो जाते हैं और एक्जोथिर्मिक ब्रेकडाउन खो देती हैं। इससे ऑक्सीजन और कार्बन डाइऑक्साइड जैसी गैस निकलती हैं और फिर फोन में विस्फोट हो सकता है।

एक्सरसाइज के बाद बॉडी में होता है दर्द, करें यह उपाय

अपनी फिटनेस और बॉडी को शेप में रखने के लिए लोग वर्कआउट करते हैं। लेकिन कई बार वर्कआउट के बाद मांसपेशियों में होने वाले दर्द की वजह से लोग अपने फिटनेस गोल को बीच में ही अधूरा छोड़ देते हैं। वर्कआउट के बाद दर्द होना इस बात का संकेत है कि आपने मजबूती से मांसपेशियों को रिपेयर करने का काम किया है। कई बार यह दर्द लगातार वर्कआउट करने से दूर भी हो जाता है। आपका शरीर इतना स्मार्ट है कि यह खुद आपको बताएगा कि कब आपकी मांसपेशियों की रिपेयरिंग का काम खत्म हो गया है। लेकिन वर्कआउट के एक सप्ताह के बाद भी अगर आपकी मांसपेशियों में दर्द बना रहता है तो आप ये उपाय अपनाकर इस दर्द को कम कर सकते हैं।

स्ट्रेचिंग- वर्कआउट के बाद मांसपेशियां रिकवरी मोड में रहती हैं। जिसकी वजह से उनमें कसाव आ जाता है और व्यक्ति को दर्द महसूस होने लगता है। इस दर्द से बचने के लिए स्ट्रेचिंग धीरे-धीरे करें। इससे मांसपेशियों में कसाव और दर्द दोनों कम होगा।

हल्की मसाज- दर्द वाली मांसपेशियों में मसाज करने से कसाव कम होने के साथ रक्त संचार भी बढ़ता है। रक्त संचार अच्छा होने से मांसपेशियों की रिकवरी में तेजी आती है और इससे मांसपेशियों का दर्द जल्दी खत्म होता है।

गुनगुने पानी से नहाना- गुनगुने पानी से नहाने से मांसपेशियां ढीली पड़ती हैं और रक्त संचार में तेजी आती है। बेहतर रक्त संचार का मतलब है दर्द भरी मांसपेशियों में अधिक ऑक्सीजन और रक्त का पहुंचना। इससे दर्द से जल्दी राहत मिलती है।

गरम या ठंडा इलाज- मांसपेशियों के दर्द से राहत पाने के लिए 15 मिनट उस विशेष स्थान पर बर्फ का पैक लगाएं, जहां दर्द हो रहा है। इसके बाद उसी स्थान पर 15 मिनट के लिए गरम पैक लगाएं। ऐसा कई बार दोहराएं। गर्म के बाद ठंडे से रक्त संचार में तेजी आती है और मांसपेशियां जल्दी ही खुद को मजबूत बनाने के साथ-साथ रिपेयर भी करती हैं।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

-प्रबंधक विज्ञापन

चेहरे पर तरबूज के छिलके रगड़ने से मिल सकते हैं ये 5 फायदे

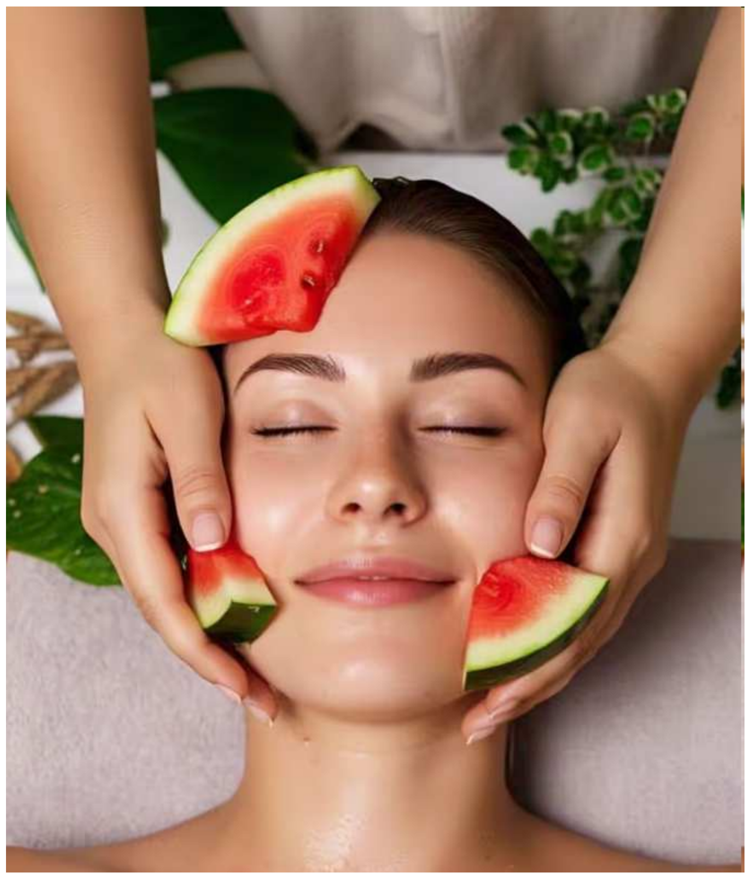

तरबूज एक ऐसा फल है, जो गर्मियों में सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। इसमें मौजूद पोषक तत्व न केवल शरीर को हाइड्रेट रखते हैं, बल्कि त्वचा की देखभाल करने में भी मदद कर सकते हैं, खासकर तरबूज के छिलके का उपयोग करके आप अपनी त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बना सकते हैं। आइए जानते हैं कि तरबूज के छिलके को चेहरे पर रगड़ने से क्या-क्या लाभ मिल सकते हैं।

त्वचा की सफाई में है सहायक

तरबूज के छिलके में मौजूद प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन-सी त्वचा की गहराई से सफाई करने में मदद करते हैं। जब आप तरबूज के छिलके को अपने चेहरे पर रगड़ते हैं तो यह त्वचा के रोमछिद्रों को साफ करता है और गंदगी को बाहर निकालता है। इससे आपकी त्वचा ताजगी महसूस करती है और दाग-धब्बों से छुटकारा मिलता है।

नियमित उपयोग से आपकी त्वचा की चमक भी बढ़ती है और वह स्वस्थ दिखती है।

मुंहासों से मिलेगी राहत

अगर आप मुंहासों की समस्या से जूझ रहे हैं तो तरबूज के छिलके का उपयोग आपके लिए फायदेमंद हो सकता है।

इसमें मौजूद एंटीबैक्टीरियल गुण मुंहासों के बैक्टीरिया को खत्म करने में मदद करते हैं।

इसके अलावा यह त्वचा की अतिरिक्त चर्बी को नियंत्रित करता है, जिससे मुंहासों की संभावना कम होती है।

नियमित उपयोग से आपकी त्वचा साफ और निखरी हुई दिखती है, जिससे आपको एक स्वस्थ और चमकदार चेहरा मिलता है।

झुर्रियों का कर सकता है निवारण

झुर्रियां उम्र बढ़ने के साथ-साथ तनाव और गलत जीवनशैली का परिणाम हो सकती हैं।

तरबूज के छिलके में विटामिन-सी और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो झुर्रियों को कम करने में सहायक होते हैं।

जब आप तरबूज के छिलके को अपने चेहरे पर रगड़ते हैं तो यह त्वचा को पोषण देता है और उसे मुलायम बनाता है।

इसके अलावा यह त्वचा की

इलास्टिसिटी को बढ़ाता है, जिससे झुर्रियां धीरे-धीरे कम होती हैं।

सनबर्न से मिलेगा आराम

गर्मियों में धूप में ज्यादा रहने से सनबर्न होने का खतरा बढ़ जाता है, जिससे त्वचा जल जाती है और लाल हो जाती है।

तरबूज के छिलके में ठंडक देने वाले गुण होते हैं, जो सनबर्न से राहत दिलाने में मदद करते हैं। इसके अलावा इसमें मौजूद एंटीइंफ्लेमेटरी गुण त्वचा की सूजन को कम करते हैं और जलन से राहत दिलाते हैं। नियमित उपयोग से आपकी त्वचा फिर से स्वस्थ और चमकदार दिखती है।

त्वचा का निखार बढ़ाने में है कारगर

तरबूज के छिलके का नियमित उपयोग करने से आपकी त्वचा का निखार बढ़ता है। इसमें मौजूद पोषक तत्व त्वचा को पोषण देते हुए उसे चमकदार बनाते हैं।

इसके अलावा यह मृत कोशिकाओं को हटाकर नई कोशिकाओं के विकास को बढ़ावा देता है, जिससे आपकी त्वचा ताजगी महसूस करती है और स्वस्थ दिखती है। इन सभी फायदों को देखते हुए यह स्पष्ट होता है कि तरबूज केवल खाने में ही नहीं बल्कि त्वचा की देखभाल के लिए भी लाभकारी है।

शब्द सामर्थ्य -25

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. घुमाव-फिराव वाला, आड़ा-तिरछा, जो कठिन हो 3. कुशलता, दक्षता, विशेषज्ञता 6. लोग, प्रजा 7. सीता, जनकनंदनी 9. सुंदर, कामना करने योग्य 10. क्रोधपूर्वक बोलने को उद्यत होना, जोश में आना, क्रोधातिरेक में चेहरे का लाल होना 13. अधीनता, मातहती, वश 14. दबाव, भार, वजन 16. हद, मर्यादा 18. प्रमाण-पत्र, प्रमाणिक कथन या बात 19. पछताना (मुहा.) 21. अनुचित मिश्रण, मिलावट 22. विफल, बेहोश, बौखलाया हुआ।

ऊपर से नीचे

1. सहारा, आश्रय, प्रतिज्ञा, संकल्प 2. परिश्रम 4. रात, रात्रि, निशा 5. पुत्र, बेटा 8. मूल्य, दाम 9. कपड़े का मोटा परदा 11. संदेश भेजना, उच्चारण कराना, कहलवाना 12. मृतकों को जीवित और रोगियों को स्वस्थ कर देने वाला व्यक्ति, प्रेमपात्र की संज्ञा 14. देने की क्रिया, खैरात 5. कुमार्गी, दुराचारी 17. मस्तक, माथा, ललाट 18. प्रश्न, समस्या 20. सहायता, सहारा 21. पशुओं को खिलाने वाली हरी पत्तियां, तृण, तिनका।

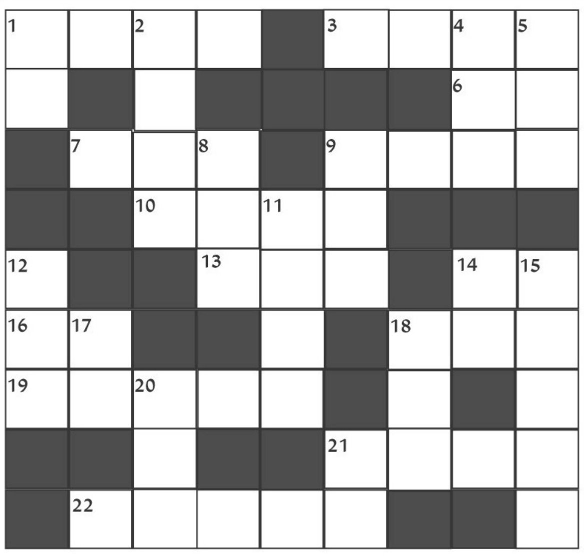

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 24 का हल

ज	द्दो	जे	ह	द	■	स	पू	त
ल	■	ब	ल	वा	न	■	■	द
म	ह	क	■	खा	म	खां	■	बी
ग्न	■	त	ल	ना	■	स	फ	र
■	म	रा	■	■	■	ना	टा	■
■	हि	■	स	■	■	■	फ	न
■	ला	ज	वा	ब	■	म	ट	र
मां	■	ग	■	सं	त	ति	■	भ
■	मा	त	ह	त	■	■	प	क्षी

कंधे पर धनुष लटकाए निडर योद्धा बनकर निकली आकांक्षा शर्मा

बादशाह के गाने जुगनू में नजर आई आकांक्षा शर्मा बॉलीवुड में कदम रख चुकी हैं। जल्द ही वह सुनील शेट्टी, विवेक ओबेरॉय और सूरज पंचोली स्टारर केसरी वीर- लीजेंड्स ऑफ सोमनाथ में नजर आएंगी। उन्हें इस फिल्म में निडर योद्धा राजल का रोल मिला है। मेकर्स ने फिल्म से उनका पहला लुक जारी कर दिया है। यह फिल्म 16 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। पोस्टर में आकांक्षा का लुक बेहद शानदार है। उनके चेहरे पर जुनून और आत्म-विश्वास साफ झलक रहा है। आँखों में ऐसा तेज और साहस है, जो सबका ध्यान खींच रहा है। लुक की बात करें तो उन्होंने ट्रेडिशनल आउटफिट पहना हुआ है और बालों की चोटी बनाई हुई है। उनके कंधों पर धनुष भी दिखाई दे रहा है।

फिल्म से एक्ट्रेस का पहला लुक जारी करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा, राजल, जंगल की शेरनी और बेहतरीन योद्धा। इसके आगे उन्होंने हैशटैग का इस्तेमाल करते हुए हर-हर महादेव लिखा। साथ ही बताया कि फिल्म 16 मई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। आकांक्षा से पहले मेकर्स ने सुनील शेट्टी का भी फर्स्ट लुक पोस्टर जारी किया था। फिल्म में एक्टर योद्धा वेगड़ा जी का किरदार निभाते दिखाई देंगे। पोस्टर में सुनील शेट्टी हाथ में कुल्हाड़ी लेकर दहाड़ते नजर आए। उनका निडर योद्धा अवतार प्रशंसकों को काफी पसंद आया। पोस्टर के बैकग्राउंड में गुजरात का प्रतिष्ठित सोमनाथ मंदिर भी नजर आ रहा है। फिल्म में सूरज पंचोली भी मजबूत किरदार में नजर आएंगे। वह एक गुमनाम योद्धा वीर हमीरजी गोहिल की भूमिका में दिखेंगे। वहीं विवेक ओबेरॉय खलनायक की भूमिका निभाते नजर आएंगे।

केसरी वीर- लीजेंड्स ऑफ सोमनाथ इस साल की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है। यह उन गुमनाम योद्धाओं की कहानी दर्शकों के सामने लाएगी, जिन्होंने 14वीं शताब्दी में ऐतिहासिक सोमनाथ मंदिर को घुसपैठियों से बचाने के लिए लड़ाई लड़ी और सर्वोच्च बलिदान दिया। केसरी वीर- लीजेंड्स ऑफ सोमनाथ का निर्देशन प्रिंस धीमान ने और निर्माण चौहान स्टूडियो के तहत कनु चौहान ने किया है।

प्रभास की बाहुबली सिनेमाघरों में फिर हो रही रिलीज, अक्टूबर में आएगी फिल्म

निर्देशक एसएस राजामौली की बाहुबली- द कन्क्लूजन की आठवीं एनिवर्सरी पर फिल्म के निर्माता शोबू यारलागड्डा ने बाहुबली फिल्मों को फिर से रिलीज करने की घोषणा की। ब्लॉकबस्टर फिल्म का पहला पार्ट 2015 में रिलीज हुआ था, जबकि दूसरा पार्ट 2017 में सिनेमाघरों में आया। 2025 में पहले पार्ट की 10 वीं और दूसरे पार्ट की 8वीं एनिवर्सरी है। इसलिए निर्माताओं ने फैंस को ट्रीट देने का मन बनाया है।

बाहुबली 2 की आठवीं एनिवर्सी मनाई गई और मेकर्स शोबू ने इसे फिल्म के फैंस के लिए और भी खास बनाने का फैसला किया। इस खास दिन पर, मुझे आप सभी को यह बताते हुए खुशी हो रही है कि हम इस साल अक्टूबर में बाहुबली को भारत और इंटरनेशनल लेवल पर फिर से रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा, यह सिर्फ एक री-रिलीज नहीं होगी यह हमारे प्यारे फैंस के लिए जश्न का साल होगा, इस दौरान पुरानी यादें, नए खुलासे और कुछ शानदार सरप्राइजेस की उम्मीद करें। देखते रहिए! बाहुबली। बाहुबली 2025 के अक्टूबर में री रिलीज होने के लिए तैयार है।

एसएस राजामौली की बाहुबली एपिक ड्रामा थी। फिल्म में जो चीज कामयाब रही, वह है इसका ड्रामा। दोनों फिल्मों ने दुनिया भर में बॉक्स ऑफिस पर 2,000 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की। 2022 में, राजामौली ने कहा, अपने करियर के दौरान मैंने सीखा है कि भावनाएं जितनी मजबूत होंगी, या जितनी बुनियादी भावनाएं होंगी, उतना ही अधिक लोग आपकी फिल्म को पसंद करेंगे। मैं यही कर रहा हूं, जब मैंने देखा कि बाहुबली को पूरे देश ने पसंद किया, तो मुझे एहसास हुआ कि अगर फिल्में बुनियादी इंसानी भावनाओं से प्रेरित कहानियों पर आधारित हों, तो उनकी पहुंच ज्यादा दर्शकों तक होगी।

बाहुबली- द बिगिनिंग 2015 में तो वहीं बाहुबली- द कन्क्लुजन 2017 में रिलीज हुई। दोनों फिल्मों में प्रभास ने बाहुबली का लीड कैरेक्टर निभाया वहीं राणा दग्गुबाती ने भल्लालदेव का। इनके अलावा फिल्म में अनुष्का शेट्टी, तमन्ना भाटिया, राम्या कृष्णन, सत्यराज, नासिर जैसे कई टैलेंटेड शामिल थे।

करिश्मा तन्ना ने इंस्टाग्राम फोटोज शेयर कर फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचा

मशहूर एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना अपनी खूबसूरती को लेकर हमेशा लाइमलाइट में रहती हैं। वह सोशल मीडिया पर अपनी फोटोज शेयर करती रहती हैं। एक बार फिर उन्होंने इंस्टाग्राम पर फोटोज शेयर कर फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचा।

इंस्टाग्राम पर शेयर की गई फोटोज में करिश्मा डेनिम जींस और वाइट टॉप में नजर आ रही हैं। वह सभी फोटोज में बैठे हुए शानदार पोज दे रही हैं और अपने फेस एक्सप्रेशन से कहर ढा रही हैं। एक्ट्रेस की यह फोटोज अब इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही हैं। लोग उनकी इन तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं और जमकर कमेंट्स कर रहे हैं।

एक यूजर ने लिखा- लवली

दूसरे यूजर ने कमेंट में लिखा- उफ्फ! तुम्हारी मदहोश आंखें

एक अन्य यूजर ने लिखा- नेचुरल ब्यूटी

एक्ट्रेस के बारे में बात करें तो करिश्मा तन्ना छोटे पर्दे से लेकर बड़े पर्दे तक अपनी एक्टिंग का लोहा मनवा चुकी हैं। उन्होंने 2001 में टीवी शो क्योंकि सास भी कभी बहू थी से अपने करियर की शुरुआत की। वह बाल वीर, नागिन 3, कयामत की रात जैसी टीवी सीरियल्स में नजर आ चुकी हैं। उन्होंने कई फिल्मों भी की हैं, जिसमें दोस्ती- फ्रेंड्स फॉरएवर, ग्रैंड मस्ती, संजू जैसी फिल्में शामिल हैं। इसके अलावा, वह ओटीटी में भी किस्मत आजमा चुकी हैं। उन्होंने वेब सीरीज करले तू भी मोहब्बत और स्कूप में भी काम किया है।

वह रियलिटी शो बिग बॉस 7 की रनर-अप रहीं। उन्होंने झलक दिखला जा और खतरों के खिलाड़ी जैसे रियलिटी शोज भी किए। वह खतरों के खिलाड़ी 10 की विजेता रही हैं। तन्ना अपने बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती हैं। साल 2022 में उन्होंने अपने बॉयफ्रेंड वरुण बंगेरा से शादी की।

वरुण बंगेरा एक बिजनसमैन हैं और वीबी क्रॉप नाम की कंपनी के डायरेक्टर हैं। दोनों पहली बार कॉमन फ्रेंड सुवेद लोहिया की पार्टी में मिले थे। तकरीबन दो साल तक डेट करने के बाद दोनों 5 फरवरी 2022 को शादी के बंधन में बंध गए।

कशिका कपूर ने अल्लू अर्जुन के साथ स्क्रीन शेयर करने की जताई इच्छा

कशिका कपूर ने अल्लू अर्जुन-एटली प्रोजेक्ट का सपना देखा। अल्लू अर्जुन-एटली प्रोजेक्ट की घोषणा बहुत ही शानदार तरीके से की गई और इसमें सिल्वर स्क्रीन पर पहले कभी न देखी गई भारतीय झलक का वादा किया गया।

इस बीच, एलवाईएफ (लव योर फादर) से टॉलीवुड में डेब्यू करने वाली कशिका कपूर ने पत्रकारों से बात करते हुए अल्लू अर्जुन के साथ स्क्रीन शेयर करने की इच्छा जताई। कशिका ने कहा, अल्लू अर्जुन सर एक अद्भुत शख्सियत हैं, उनका करिश्मा, स्टाइल और अपने काम के प्रति समर्पण वाकई प्रेरणादायक है।

मैं हमेशा से उनकी इस बात की प्रशंसा करती रही हूं कि वे जिस तरह से हर किरदार को आसानी से अपना लेते हैं, उसमें ढल जाते हैं। किसी दिन उनके साथ स्क्रीन शेयर करना एक सपने के सच होने जैसा होगा। उनके द्वारा बनाए गए सिनेमाई ब्रह्मांड का हिस्सा बनने के विचार से ही मेरे रोंगटे खड़े हो जाते हैं! कशिका कपूर ने अपने म्यूजिक वीडियो से प्रसिद्धि पाई और टॉलीवुड में एलवाईएफ से डेब्यू करने से पहले उन्होंने आयुषमती गीता मैट्रिक पास से हिंदी में डेब्यू किया।

पश्चिम बंगाल संपूर्ण देश के लिए डरावना प्रश्न बना

अवधेश कुमार

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद से लेकर मध्य प्रदेश का गुना और इसके पहले नागपुर, मलाड आदि की घटनाओं में लगातार दिख रहे यथार्थ को पहचान कर उसके अनुरूप व्यवहार तय करने का समय है। मुर्शिदाबाद से भागीरथी नदी में नाव पर बैठ कर पलायन करते और फिर मालदा जिले में उतरते लोगों की तस्वीरें किसी भी संवेदनशील व्यक्ति को अंदर से हिला देंगी।

मालदा के पारलालपुर हाई स्कूल में शरण लिए लगभग ५०० लोगों की तस्वीरें एवं वक्तव्य देश के सामने हैं। इनमें तीन दिन के नवजात से लेकर महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे शामिल हैं। पलायन कर गए लोग मुर्शिदाबाद के धुलियान के हैं। वे बता रहे हैं कि घरों में आग लगा दी गई, मारपीट की गई, अब न घर रहा, न खाने को राशन बचा। जो कुछ था, वे सब लूट कर ले गए। धुलियान में एक गरीब पिता-पुत्र की हत्या कर दी गई जो हिन्दू देवी-देवताओं की मूर्तियां बनाते थे। लोग कह रहे हैं कि उनकी पानी की टंकी में जहर मिला दिया गया। इसमें कितनी सच्चाई है। अभी तक तो ममता बनर्जी सरकार को टंकियां जांच करके बता देना चाहिए था। नहीं बताने का मतलब? कई तालाबों में मछलियों सहित अन्य जीव मरे पाए गए यानी हमलावर घोषणा कर रहे थे कि सारे पानी में जहर मिला देंगे तो संभवतः उन्होंने तालाब में ऐसा किया। टीवी कैमरों के माध्यम से देश ने वहां की हिंसा देखी।

इन पंक्तियों के लिखे जाने तक भी अलग-अलग क्षेत्र में हिंसा हो रही है। शमशेरगंज सहित कई स्थानों में बीएसएफ की टीम पर गोलीबारी की गई। बीएसएफ कई घरों में जमा किए पत्थर हटा रही है। कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश के कारण केंद्रीय सुरक्षा बलों की 17 कंपनियां तैनात की गई वरना पश्चिम बंगाल पुलिस के रहते क्या हो रहा था और क्या होता, कल्पना करने भर से ही रोंगटे खड़े हो जाते हैं। भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की भले आप आलोचना करिए और उनके विरोधी हों। इन विकट परिस्थितियों में हिन्दू समाज के साथ इनके अलावा कोई खड़ा नहीं दिखता। अन्य पार्टियों की स्थानीय इकाइयां सच देखती हैं, भूमिका निभाता भी चाहती हैं, लेकिन प्रदेश और केंद्रीय नेतृत्व के दबाव में नहीं करतीं। स्थानीय भाजपा के कई नेताओं ने प्रदेश में सशस्त्र बल विशेष शक्तियां अधिनियम या अफस्पा लागू करने की मांग की है। आपको भले नागवार गुजरे किंतु पश्चिम बंगाल की स्थिति को देखिए और निष्कर्ष निकालिए कि वहां क्या किया जाना चाहिए?

किसी का वक्फ संशोधन कानून से विरोध है तो उसका तरीका हिन्दुओं पर हमला कैसे सकता है? वैसे तो वक्फ के कानून में ऐसा कुछ नहीं है, जिसे मुसलमान या इस्लाम के विरुद्ध साबित किया जा रहा है। इस तरह का जहर फैलाने वाले वास्तव में स्वयं मुस्लिम समाज के दुश्मन हैं। बावजूद अगर आपको विरोध करना ही है तो इसके लिए हिन्दुओं के घरों पर हमले करने, धर्मस्थलों को क्षतिग्रस्त करने, हत्याएं करने, दुकान-घर जलाने आदि की क्या आवश्यकता है? ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने देशव्यापी विरोध का आह्वान किया था। क्या हिंसा के लिए उसे दोषी नहीं माना जाना चाहिए?

हमलावरों की तैयारी कितनी थी, इसका अनुमान इसी से लगाइए कि पलायित लोग बता रहे हैं कि वे गैस सिलेंडरों को खोल कर दियासलाई से आग लगा रहे थे और पेट्रोल डाल रहे थे। आगजनी, पत्थरबाजी और गोली चलाने के लिए पहले की तैयारी चाहिए। गुना में हनुमान जयंती की शोभा यात्रा पर जितनी भारी संख्या में पत्थर चले और आगजनी हुई उसकी तैयारी एकाएक संभव नहीं। इसी तरह हजारीबाग में हुआ। लंबे समय से हम देख रहे हैं कि हिन्दुओं से जुड़े उत्सवों, शोभा यात्राओं, प्रतिमा विसर्जनों आदि पर इसी तरह पत्थरों से हमले होते हैं। फिर अग्निकांड होता है। इससे भी डरावना सच यह है कि कोई बड़ा मुस्लिम नेता या संगठन हिंसा के विरुद्ध मुखर होकर सामने नहीं आता। दूसरे पक्ष को ही दोषी ठहराने का अभियान चलता है, और कहा जाता है कि हमले उनके उकसाने पर हुए। किसी के उकसाने पर हजारों-लाखों की संख्या में पत्थर, पेट्रोल बम पैदा हो सकते हैं। मुर्शिदाबाद पर बंगाल की ममता सरकार में मंत्री सिद्धीकुल्ला चौधरी कह रहे हैं कि हिंसा में बाहरी और भाजपा के लोग शामिल थे, वे बीएसएफ की गोली से मारे गए। जंगीपुर के स्थानीय तृणमूल सांसद खलीलुर रहमान का बयान भी यही है। तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता कुणाल घोष का वक्तव्य है कि एक राजनीतिक दल ने बाहर से अपराधियों को लाकर बीएसएफ के सहयोग से मुर्शिदाबाद में तांडव मचाया है। ममता सरकार और उनकी पार्टी का स्टैंड यही है तो आप उनसे क्या उम्मीद कर सकते हैं। यह पहली बार नहीं है। पिछले वर्ष लगभग इसी समय वर्धमान जिले में बम विस्फोट की जांच करने गई एनआईए टीम पर हमले हुए। विस्फोट बम बनाने के दौरान हुआ और मरने वाले तीनों तृणमूल कांग्रेस के थे। जाहिर है इसमें किसके गले तक हाथ पहुंचता है। चाहे शाहजहां शेख पर कार्रवाई करने गई टीम हो या अन्य जगह वहां हमेशा बड़ी संख्या में उन्हें हिंसक विरोध का सामना करना पड़ता है, खदेड़ा जाता है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से लेकर पूरी सरकार, पार्टी हमला बोल शैली में साथ खड़ी होती है। जब सरकार और पुलिस प्रशासन का भय नहीं हो तो कट्टरवादी तत्व ऐसे ही उन्माद फैलाते हैं। तो सच को सच की तरह देखिए। पश्चिम बंगाल संपूर्ण देश के लिए ऐसा डरावना प्रश्न बना हुआ है, जिसका अभी तक उत्तर नहीं मिला है। उनके संदर्भ में हिन्दू संगठनों, सरकारों तथा पार्टियों को नये सिरे से अपनी रणनीति और व्यवहार तय करना होगा। मुस्लिम समुदाय के अंदर भी उदारवादी तबके को उनके विरुद्ध खुल कर सामने आना चाहिए। यह देश बचाने का प्रश्न है। जो समाज अपनी आत्मरक्षा और प्रतिरोध की शक्ति खो देता है, उसकी कोई रक्षा नहीं कर सकता।

इस समय हिन्दू समाज संविधान के तहत हिंसा या गलत के प्रतिरोध के अंधकार तक का इस्तेमाल करने का साहस नहीं दिखा रहा। न्यायालय की स्थिति यह है कि 2021 में हिन्दुओं के पलायन का मामला उच्चतम न्यायालय में आया और सुनवाई के दौरान एक बंगाली न्यायमूर्ति ने पहले अपने को अलग किया। फिर सुनवाई आरंभ हुई और एक और बंगाली जज साहब ने स्वयं को अलग कर लिया। इस कारण वह बाधित रही। वैसे भी न्यायालय ऐसी बढ़ती या स्थाई हो चुकीं प्रवृत्तियों का समाधान नहीं कर सकते।

काजोल की नई फिल्म मां का ऐलान, रिलीज तारीख से भी उठ गया पर्दा

काजोल की आगामी फिल्म 'मां' का पहला पोस्टर जारी करते हुए निर्माताओं ने इसके रिलीज की घोषणा कर दी है। 'शैतान' के बाद देवगन फिल्म्स एक और पौराणिक हॉरर फिल्म लेकर आ रही है। सामने आए पोस्टर में अभिनेत्री का शक्तिशाली रूप देखने को मिल रहा है।

काजोल इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभाते हुए नजर आएंगी। विशाल फुरिया द्वारा निर्देशित और साईविन क्राड्रास द्वारा लिखित, 'मां' अच्छाई और बुराई के बीच लड़ाई पर आधारित है। फिल्म रोंगटे खड़े कर देने वाली कहानी का दावा करती है। अभिनेत्री के अलावा फिल्म में रोनित रॉय, इंद्रनील सेनगुप्ता और खेरिन शर्मा भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

सामने आए पोस्टर में अभिनेत्री एक छोटी बच्ची को अपने सीने से लगाए नजर आ रही हैं। दोनों का लुक काफी उग्र लग रहा है। पोस्टर में देखा जा सकता है कि दोनों घायल हैं। निर्माताओं ने कैप्शन में लिखा, नर्क यहीं है॥ देवी भी यहीं हैं! काजोल की मुख्य भूमिका वाली फिल्म 'मां' 27 जून 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म हिंदी, तमिल, तेलुगु और बंगाली सहित कई भाषाओं में रिलीज की जाएगी। जियो स्टूडियोज और देवगन फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत, मां का निर्माण अजय देवगन और ज्योति देशपांडे ने किया है, जबकि कुमार मंगत पाठक इसके सह-निर्माता हैं। अभिनेत्री काजोल के वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्हें आखिरी बार कृति सेनन के साथ 'दो पत्ती' में देखा गया था।

सू- दोकू क्र. 25

	7			4		3		
2			3			9		4
	6			2				
3		1			7		4	
	2			1			6	
8			9		4			1
		2		3		7		
1			7		2	4		3
	5	3		8			7	2

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.24 का हल

9	2	8	3	1	5	7	4	6
4	1	6	8	9	7	2	5	3
7	3	5	4	6	2	8	1	9
2	7	3	9	8	1	4	6	5
5	4	1	6	7	3	9	2	8
6	8	9	2	5	4	1	3	7
3	6	2	7	4	9	5	8	1
8	5	7	1	2	6	3	9	4
1	9	4	5	3	8	6	7	2

लकड़ी के बर्तनों की चमक बरकरार रखने के लिए आजमाएं ये 5 तरीके

लकड़ी के बर्तन रसोई में एक खास आकर्षण जोड़ते हैं और उनकी देखभाल करना भी जरूरी है। अक्सर लोग इन्हें साफ करने के लिए साबुन का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन इससे इनकी चमक फीकी पड़ जाती है।

इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी सरल और प्रभावी टिप्स देंगे, जिनसे आप अपने लकड़ी के बर्तनों को न केवल साफ कर सकते हैं, बल्कि उनकी चमक भी बरकरार रख सकते हैं। आइए जानते हैं।

ताड़ के तेल का करें इस्तेमाल

ताड़ का तेल एक प्राकृतिक तेल है, जो लकड़ी के बर्तनों की देखभाल के लिए बहुत अच्छा होता है।

इसे बर्तनों पर हल्के हाथों से लगाएं और कुछ समय बाद उन्हें मुलायम कपड़े से पोछ दें। इससे बर्तन न केवल साफ होते हैं, बल्कि उनमें नमी भी बनी रहती है और वे टूटते भी नहीं हैं।

ताड़ के तेल से बर्तनों की चमक भी बरकरार रहती है, जिससे वे लंबे समय तक नए जैसे दिखते हैं।

जैतून का तेल भी है उपयोगी

जैतून का तेल भी लकड़ी के बर्तनों की देखभाल के लिए अच्छा होता है।

इसे भी हल्के हाथों से बर्तनों पर लगाएं और कुछ मिनट बाद मुलायम कपड़े से पोछ दें।

जैतून का तेल न केवल बर्तनों को साफ करता है, बल्कि उन्हें नमी भी देता है और उनकी चमक भी बनाए रखता है। इससे

बर्तन लंबे समय तक नए जैसे दिखते हैं और उनकी उम्र भी बढ़ती है।

सिरका है अच्छा विकल्प

सिरका एक प्राकृतिक सफाई करने वाला है, जो लकड़ी के बर्तनों को गंदगी से दूर करता है।

एक भाग सिरके को दो भाग पानी में मिलाकर घोल बनाएं, फिर इसे स्प्रे बोतल में भरकर उपयोग करें। इस घोल को बर्तनों पर छिड़कें और कुछ मिनट बाद मुलायम कपड़े से पोछ दें।

सिरका से न केवल गंदगी हटती है, बल्कि कीटाणु भी खत्म होते हैं, जिससे बर्तन लंबे समय तक साफ-सुथरे रहते हैं और उनकी चमक भी बनी रहती है।

गर्म पानी का करें प्रयोग

गर्म पानी का उपयोग करके भी आप अपने लकड़ी के बर्तनों को साफ कर सकते हैं। बस ध्यान रखें कि पानी बहुत गर्म न हो ताकि बर्तन खराब न हों। गर्म पानी से गंदगी आसानी से निकल जाती है और कीटाणु भी खत्म होते हैं।

इसके बाद बर्तनों को सूखे कपड़े से पोछ दें ताकि उनमें नमी न रहे। इस तरीके से आपके बर्तन लंबे समय तक नए जैसे दिखेंगे और उनकी उम्र भी बढ़ेगी।

नियमित सफाई करें

लकड़ी के बर्तनों की नियमित सफाई करना बहुत जरूरी है ताकि उनमें जमी हुई गंदगी या धूल न लगे।

सप्ताह में एक बार सभी बर्तनों को हल्के साबुन पानी से धोएं और धूप में सुखाएं। इन सरल तरीकों को अपनाकर आप अपने लकड़ी के बर्तनों को साफ-सुथरा रख सकते हैं और उनकी उम्र बढ़ा सकते हैं। इन तरीकों से न केवल आपके बर्तन नए जैसे दिखेंगे, बल्कि वे लंबे समय तक टिकाऊ भी रहेंगे।(आरएनएस)

कार्यालय में घुसकर मारपीट, जान से मारने की दी धमकी

संवाददाता

देहरादून। कार्यालय में घुसकर मारपीट व जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पनाष वैली सहस्त्रधारा रोड निवासी धनंजय तिवारी ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह रॉक एंड रोल राइडर्स कंपनी का सीईओ है जिसका ब्रांच ऑफिस पनाष वैली में स्थित है। उसकी उक्त कंपनी में पीयूष राज व अमन भाटिया नौकरी करते थे तथा कार्यरत रहने के दौरान पीयूष राज निवासी शिव गंगा मेन रोड, गोविन्द विहार, व अमन भाटिया निवासी गांव सिमोली पंचायत घर के पास मलदेवता रायपुर ने उसकी कंपनी का अप्रकाशित डाटा उसके साथ जालसाजी धोखाधड़ी करके चोरी कर विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर अपलोड कर दिया था तथा अपनी मर्जी से बिना कंपनी को सूचित किये कार्यालय पर आना बंद कर दिया था। चार व्यक्ति अमन भाटिया, पीयूष राज व धनंजय नीलकंठ माने निवासी व एक अज्ञात व्यक्ति के साथ उसकी कंपनी के कार्यालय में उससे बदला लेने की नियत से बिना उसकी अनुमति के जबरन घुस आये व जोर जोर से चिल्ला कर उसको माँ बहन की गन्दी गन्दी गालिया देने लगे व कार्यालय पर उपस्थित कर्मचारियों से अभद्रता करने लगे। जिससे वह व कार्यालय में उपस्थित अन्य कर्मचारी भयभीत हो गए। पीयूष राज व अमन भाटिया ने उसकी कंपनी में कार्यस्त गौतम कुमार जो की वीडियो एडिटर है, को जबरन उठाया व कंपनी के कंप्यूटर में अनाधिकृत प्रवेश करते हुए सबूत मिटाने की नीयत से दुर्भावनापूर्ण इरादे से कंपनी का डाटा डिलीट कर दिया जिससे उसको अपूर्णीय क्षति हुई है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मुख्यमंत्री ने साहित्यकार डॉ. योगेन्द्र नाथ के निधन पर शोक व्यक्त किया

संवाददात

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने साहित्यकार डॉ योगेन्द्र नाथ शर्मा 'अरूण' के निधन पर शोक व्यक्त किया। आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. योगेंद्र नाथ शर्मा 'अरुण' के निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा हिंदी साहित्य के प्रखर विद्वान, सरल एवं सहज व्यवहार के धनी डॉ. योगेंद्र नाथ शर्मा श्अरुणश जी का जाना हिंदी साहित्य जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से पुण्यात्मा को श्रीचरणों में स्थान एवं शोक संतप्त परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

नशा मुक्ति केन्द्र के संचालक के साथ मारपीट

संवाददाता

देहरादून। नशा मुक्ति केन्द्र के संचालक के साथ मारपीट करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गौरी माफी छिददरवाला निवासी हर्ष कलूडा ने रायवाला थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके द्वारा सरकार से मान्यता प्राप्त नशा मुक्ति केन्द्र छिद्रवाला मे खोला गया है जो उसकी निजी भूमि में स्थित है कुछ दिन पूर्व से दो व्यक्ति सोबन सिंह कन्तुरा एवं राजू उसको डरा धमका रहे हैं लेकिन पूर्व में उसने सामाजिक सोहार्द के कारण अनदेखा किया लेकिन शाम तकरीबन 7 बजे उनके द्वारा केंद्र में आकर मारपीट की गयी और व्यक्तिगत नाम लेकर गालियां दी गयी तथा कर्मचारियों को मारने के बाद जान से मारने की धमकी दी गयी। और वहां से जाने के लिए कहा गया तथा अपने आपको रसूकदार बता कर अवैध वसूली की मांग की गयी जिस पर उसने कहा उसे प्रशासन द्वारा मान्यता/ स्वीकृति प्रदान है तो वह कहते हैं की स्वीकृति उनसे लेनी पड़ेगी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

बस में रखे बैग से जेवरात चोरी

संवाददाता

देहरादून। बस में रखे बैग से जेवरात चोरी होने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कम्यूनिटी हॉल वैशाली दिल्ली निवासी सिद्धेश्वरी उर्फ शिवानी रावत ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि आज वह व उसकी मां मधु रावत श्यामपुर ऋषिकेष से शादी समारोह के बाद अपने घर दिल्ली जाने हेतु बस स्टाप ऋषिकेष में खड़ी बस में अपने समान का बैग लेकर बैठे थे। बैग में उसकी मम्मी का एक सोने का गले का हार व कान के सोने के टोपस तथा सोने का माँग टीका व सोने की नथ व कुछ रुपये बैग में रखे थें, बैग को उन्होंने बस के अन्दर रैक में रख दिया था, थोड़ी देर बाद उसने देखा तो बैग में चैन खोलकर उसमें रखा उपरोक्त ज्वैलरी व नगदी कोई अज्ञात चोरी कर ले गया हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

चुनौतियों से जूझना सिखाता है खेलः रेखा आर्या

संवाददाता

देहरादून। खेल मंत्री रेखा आर्या ने हंसराज मेमोरियल टेबल टेनिस इंटर स्कूल टूर्नामेंट का शुभारम्भ करते हुए कहा कि खेल चुनौतियों से जूझना सिखाता है।

आज यहां खेल मंत्री रेखा आर्या ने प्रेम नगर में द टोंस ब्रिज स्कूल में प्रथम हंसराज मेमोरियल टेबल टेनिस इंटर स्कूल टूर्नामेंट का शुभारंभ किया। टूर्नामेंट का शुभारंभ करते हुए खेल मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि खेलों में हिस्सा लेने से न सिर्फ शरीर स्वस्थ रहता है बल्कि युवाओं को खेल जीवन के संघर्षों और चुनौतियों से जूझना सिखाता है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी अपने स्किल को संवारने के दौरान यह चीज सीखता है कि कैसे विपरीत परिस्थितियों को अवसर में बदला जाता है। खेल मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश खेल महाशक्ति बनने की तरफ अग्रसर है। यह पहली बार है कि जब कबड्डी जैसे भारत के परंपरागत खेलों का विश्व कप आयोजित होने लगा है। खेल मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि उत्तराखंड में अगर युवा खेल के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करते हैं तो सरकार उनके करियर को संवारने की गारंटी लेती है। जब भी कोई युवा राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय इवेंट में प्रदेश के लिए मेडल लेकर आएगा तो उसे प्रदेश सरकार आउट ऑफ टर्म नौकरी देती है।

रेखा आर्या ने कहा कि अगर युवा पढ लिखकर बड़े अधिकारी बनते हैं तब भी उनकी पहचान का दायरा सीमित होता है, लेकिन अगर कोई युवा अपने खेल के दम पर पहचान बनाता है तो उसकी ख्याति के लिए दुनिया का कोई बॉर्डर नहीं होता ।महान खिलाड़ी विश्व में सबका आदर्श बन जाता है। इस टूर्नामेंट में देहरादून व अन्य शहरों से करीब 15 स्कूलों की टीम में शिरकत कर रही है, टूर्नामेंट 3 दिन चलेगा। इस अवसर पर कैंट विधायक सविता कपूर, स्कूल चेयरमैन विजय नागर, मैनेजिंग डायरेक्टर पोरस नागर, शैलेंद्र बेंजामिन, रिटायर्ड मेजर जनरल प्रकाश सिंह, रिटायर्ड मेजर जनरल राकेश सिंह, प्रधानाचार्य बेला सहगल, उप प्रधानाचार्य एके अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर राहगीर की मौत

देहरादून (सं)। अज्ञात वाहन की चपेट में आकर राहगीर की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।प्राप्त जानकारी के अनुसार अठूरवाला निवासी राकेश चौहान ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका भाई दिनेश चौहान हरिद्वार रोड पर पैदल जा रहा था तभी अज्ञात वाहन ने उसको अपनी चपेट में ले लिया जिससे उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

तस्कर फरार, 12 पेटी शराब बरामद

हमारे संवाददाता

रूद्रप्रयाग। चारधाम यात्रा के दौरान तस्करी कर पहाड़ो में ले जायी जा रही 12 पेटी अंग्रेजी शराब को पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त वाहन सहित पकड़ लिया है। हालांकि इस दौरान शराब तस्कर फरार होने में कामयाब रहा जिसकी तलाश की जा रही है।

मामला थाना ऊखीमठ क्षेत्रान्तर्गत कुण्ड के पास का है। जानकारी के अनुसार बीती देर रात को थाना ऊखीमठ पुलिस द्वारा चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान पुलिस ने एक स्विफ्ट कार को रोका तो चालक कार की चाबी कार पर ही छोड़कर भाग गया।

वाहन की चेकिंग करने पर इसमें कुल 12 पेटी शराब बरामद हुई। आस-पास ढूंढखोज करने पर इस वाहन के चालक के न मिलने पर वाहन को थाने पर लाया गया। साथ ही थाना ऊखीमठ पर मुकदमा आबकारी अधिनियम पंजीकृत किया गया है व शराब परिवहन में प्रयुक्त वाहन सीज किया गया है। बरामद शराब की अनुमानित कीमत एक लाख रुपए के आस-पास बतायी जा रही है।

संवेदनशील क्षेत्रों में अलर्ट मोड पर रहेंगे पुलिस के जवानः एसएसपी

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल की अगुवाई में समस्त राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों के साथ वर्तमान परिदृश्य को देखते हुए सतर्कता को लेकर बैठक आहुत की गई। जिसमें उन्होने सुरक्षा को लेकर कई दिशा-निर्देश जारी किये।

बैठक के दौरान जनपद सीमाओं पर आर्म्स-एम्युनेशन के साथ सघन चैकिंग कर किसी भी संदिग्ध को जनपद सीमा के भीतर प्रवेश न देने, संवेदनशील व भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में नियमित चैकिंग कराने एवं ऐसी जगहों पर रह रहे बाहरी लोगों के 100 प्रतिशत सत्यापन करने तथा उनकी हिस्ट्री वेरिफाई करने के स्पष्ट तौर पर निर्देश जारी किए गए। जनपद में कोई भी घटना घटित होने पर बिना किसी देरी के तत्काल रिस्पांस देने एवं घटनास्थल पर संबंधित थाना प्रभारी के साथ ही सीमावर्ती थाना प्रभारियों को पहुंचने एवं मामले की पड़ताल कर उच्चाधिकारी को रिपोर्ट से अवगत कराने के निर्देश दिए।

आपातकाल में क्या करना है और क्या नहीं करना है, कि जानकारी सभी पुलिस कर्मियों को होनी चाहिए। इस संबंध में सभी सर्किल ऑफिसर्स स्वयं अपने सर्किल के थानों में नियुक्त फोर्स को अच्छे से ब्रीफ कर लें। सोशल मीडिया पर सतर्क दृष्टि रखी जाए एवं प्रसारित हो रही किसी भी गलत पोस्ट पर संबंधित थाने तत्काल कदम उठाकर वैधानिक कार्यवाही करें। सभी क्षेत्राधिकारी ये भी सुनिश्चित करें कि धार्मिक मतभेद के प्रचलित मामलों को खुद देखें और दोनों पक्षों से वार्ता कर उन्हे न्युटलाइज करने का प्रयास करें। समाधान नहीं निकलता है तो नियम मुताबिक कड़ी कार्यवाही अमल में लायी जाए।

थाना क्षेत्रों में जहां-जहां भारतीय सेना अथवा पुलिस की वर्दी बेचने वाले व्यापारी व टेलर मौजूद हैं वहां पर संपर्क कर उनका सत्यापन किया जाए तथा संबंधित को अवगत कराया जाए कि वर्दी पहनने की पात्रता रखने वाले व्यक्ति को ही वर्दी विक्रय करें व उक्त व्यक्ति का पूर्ण ब्योरा जुटाकर स्थानीय थाने को सूचना उपलब्ध कराएं। कंट्रोल रुम में तैनात पुलिस कर्मी सुनिश्चित करें कि मॉनिटरिंग राउंड द क्लॉक अपडेट रहे व ऐसी कोई भी चूक न हो जिससे कि किसी संदिग्ध गतिविधि का पता न लगे। अभिसूचना शाखा एवं मॉनिटरिंग सेल सोशल मीडिया पर लगातार नजर रखें तथा लाभप्रद सूचना से उच्चाधिकारियों को अवगत कराएं।

भ्रष्टाचार के विरुद्ध धामी सरकार का कड़ा प्रहार जारी

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। धामी सरकार का भ्रष्टाचार पर कड़ा प्रहार जारी है। सीएम पुष्कर सिंह धामी के भ्रष्टाचार की शिकायत पर सघन जांच के साथ त्वरित कठोर कार्यवाही के निर्देशों का ही परिणाम है कि भ्रष्टाचार में लिप्त कार्मिकों को विजिलेंस द्वारा गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे पहुंचाया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को जनपद नैनीताल में विजिलेंस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मुख्य कोषाधिकारी, नैनीताल एवं एकाउन्टेन्ट कोषागार, नैनीताल को एक लाख 20 हजार रूपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड सरकार ने जीरो टॉलरेंस ऑन करप्शन की नीति को व्यवहार में लाते हुए बीते तीन वर्षों में ऐतिहासिक निर्णय और ठोस कार्रवाई की है। राज्य में भ्रष्टाचार और नकल माफिया के विरुद्ध जारी अभियान के अंतर्गत अब तक 150 से अधिक आरोपी अधिकारियों, कर्मचारियों और माफियाओं को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। भ्रष्टाचार के गंभीर मामलों में पूर्व आईएफएस अधिकारी आर.बी.एस. रावत और आईएएस अधिकारी रामविलास यादव को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। यह राज्य प्रशासन में पारदर्शिता और निष्पक्षता

❑नैनीताल में मुख्य कोषाधिकारी और एकाउटेंट कोषागार रिश्वत लेते गिरफ्तार

की बड़ी मिसाल है।

नकल विरोधी कानून के अंतर्गत बड़ी कार्रवाई : उत्तराखंड में शिक्षा क्षेत्र में पारदर्शिता लाने हेतु बनाए गए नकल विरोधी कानून के तहत कई संगठित गिरोहों और दलालों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। 80 से अधिक नकल माफियाओ पर सख्त कार्रवाई की गई। इसी का परिणाम है कि पिछले तीन साल में 23 हजार के करीब युवाओं को पूरी पारदर्शिता के साथ सरकारी नौकरी दी जा चुकी है। नकल विरोधी कानून लागू होने के बाद एक भी नकल की शिकायत नहीं आई।

प्रमुख केस जिनमें त्वरित कार्रवाई की गई: मुख्य कोषाधिकारी एवं एकाउटेंट (नैनीताल): रू. 1.20 लाख रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार। लोक निर्माण विभाग के एई (नैनीताल): रू. 10,000 रिश्वत लेते पकड़ा गया।

बिजली विभाग का जेई (हरबर्टपुर): रू15,000 रिश्वत लेते पकड़ा गया। एलआईयू कर्मी (रामनगर): उप निरीक्षक एवं मुख्य आरक्षी गिरफ्तार। आरटीओ कर्मचारी (कोटद्वार): रू. 3,000 रिश्वत लेते पकड़ा गया। रोडवेज एजीएम (काशीपुर): रू. 90,000 रिश्वत मांगने पर गिरफ्तार। खंड शिक्षा अधिकारी (खानपुर): रू. 10,000 रिश्वत लेते गिरफ्तार। जीएसटी असिस्टेंट कमिश्नर (देहरादून): रू. 75,000 रिश्वत लेते गिरफ्तार। जिला आबकारी अधिकारी (रुद्रपुर): रू. 1 लाख रिश्वत मांगने पर गिरफ्तार। कानूनगो (पौड़ी): भूमि सीमांकन के नाम पर रू. 15,000 रिश्वत लेते पकड़ा गया। सीएम हेल्पलाइन कर्मचारी (हरिद्वार): शिकायत निपटाने के एवज में रिश्वत मांगने पर गिरफ्तार। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के कड़े निर्देशों के फलस्वरूप राज्य में प्रशासनिक पारदर्शिता बढ़ी है और आम जनता का विश्वास शासन तंत्र में और मजबूत हुआ है। सरकार द्वारा भ्रष्टाचार और नकल के विरुद्ध यह निर्णायक अभियान आगे भी जारी रहेगा।

इन्वेस्टमेंट प्लान का झांसा देकर ठगे 3.80 लाख रूपये

संवाददाता

देहरादून। इन्वेस्टमेंट प्लान का झांसा देकर तीन लाख 80 हजार रूपये की ठगी के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कोर्ट रोड निवासी धनंजय डोभाल ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकों इस्टाग्राम के माध्यम से एक एएसके इन इन्वेस्टमेंट कम्पनी एप्प ज्वाइन डाउनलोड करने की सलाह किसी इन्फोरमेंशन लर्निंग सेंटर से मिली जिसके द्वारा उसको शेयर मार्किट संदर्भित जानकारी व शेयर मार्केट को समझने हेतु प्रेरित किया गया। उक्त ग्रुप में जैसा कि काफी लोग जुडे हुए दिख रहे थे उसके द्वारा इंफोरमेंशन लर्निंग एप्प ज्वाइन किया गया। उक्त एप्प को मोबाइल द्वारा चलाया जा रहा था जिसे बाद में प्रिया शर्मा नाम के किसी ग्रुप एडमिन द्वारा मोबाइल के माध्यम से चलाया जाने लगा। उक्त ग्रुप द्वारा उसके साथ व्हटसएप में बातचीत करते हुए शेयर मार्केट के विभिन्न इनवेस्टमेंट प्लान सुझाये गये और जैसा कि उक्त ग्रुप में साम्भवी स्नेहा द्वारा उसको व्यक्तिगत व्हटसएप मैसेज भेजकर ग्रुप में इनवेस्ट करने हेतु यह कहते हुए प्रेरित किया जाने लगा कि यह एक अच्छा प्लान है इसे मिस न करो तथा साथ ही ग्रुप मे विभिन्न आईडी के लोगो के द्वारा हैवी इन्वेस्टमेंट करने के बाद मोटा मुनाफा दर्शाया जा रहा था, के प्रलोभन से भ्रमित होकर उसके द्वारा अपने आईएफएससी बैंक राजपुर रोड देहरादून स्थित शाखा के माध्यम से उनको तीन लाख 80 हजार रूपये उनके बताये खाते में डलवा दिये। वह गिरोह के प्रलोभन में कब फॅसता चला गया उसको पता ही नहीं चला। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

दो गुटों में झड़प के दौरान चली गोली, एक घायल

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। हरिद्वार के व्यस्ततम चौराहे चंद्राचार्य चौक पर देर रात युवाओं के दो गुटों में झगड़े के दौरान अचानक गोली चलने से अफरा तफरी मच गई। गोली हमलावर के असलहे से चली और उसी के पैर में जा लगी, जिससे वह घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने उसे पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुंचाया और मामले की जांच शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार बीती रात करीब 10 बजे दो युवक चौक के पास पहुंचे और एक अन्य युवक को पकड़कर पीटने लगे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दोनों हमलावरों के पास हथियार थे। इसी दौरान हाथापाई में एक युवक के हाथ से गोली चल गई, जो सीधे उसके ही पैर में जा लगी। गोली की आवाज सुनकर वहां मौजूद राहगीरों में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत घायल युवक को काबू में लिया और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को जिला अस्पताल भिजवाया, जहां उसका उपचार जारी है। पुलिस ने बताया कि मामला आपसी रंजिश से जुड़ा नजर आ रहा है। जबकि उसका दूसरा साथी मौके से भाग निकला, जिसकी तलाश की जा रही है।

निवेश के नाम पर ठगे 10.5 लाख रूपये

संवाददाता

देहरादून। निवेश के नाम पर साढे दस लाख रूपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पौंधा निवासी विकास कुमार ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसको एएसके फाइनेंस इंवेस्टमेंट क्लब नामक एक व्हाट्सएप समूह में जोड़ा गया। इस समूह के व्यवस्थापक प्रिया शर्मा नामक एक व्यक्ति हैं। सुश्री शर्मा ने एंजेलवन के साथ उसके मौजूदा स्टॉक पोर्टफोलियो के संबंध में उससे बातचीत शुरू की। उन्होंने लगातार दैनिक आधार पर स्टॉक खरीदने और बेचने पर सलाह दी। इसके बाद, उन्होंने उसको अपनी निवेश योजना में शामिल होने और एक उच्च निवल मूल्य (एचएनडब्ल्यू) खाता खोलने के लिए राजी किया, यह कहते हुए कि तभी वे स्टॉक ट्रेडिंग में आगे सहायता प्रदान करेंगे। लगभग सात सप्ताह तक व्हाट्सएप समूह का अवलोकन करने के बाद, जहां अन्य सदस्यों ने शेयर बाजार के व्यापार से महत्वपूर्ण लाभ के बारे में पोस्ट किया था, उसने 12 अप्रैल, 2025 को सुश्री शर्मा से एएसके इन्वेस्टमेंट क्लब में शामिल होने में अपनी रुचि व्यक्त करने के लिए संपर्क किया। जब उसने कंपनी के बारे में पूछताछ की, तो उन्होंने कहा कि एएसके इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स एएसके एसेट एंड वेल्थ मैनेजमेंट ग्रुप की प्रमुख कंपनी है। उसने ऑनलाइन सत्यापन किया और पाया कि एएसके एसेट एंड वेल्थ मैनेजमेंट ग्रुप सेबी के साथ पंजीकृत एक वैध कंपनी है। ऐसा प्रतीत होता है कि अपराधी व्यक्तियों को धोखा देने के लिए इस वास्तविक कंपनी के नाम का धोखाधड़ी से उपयोग कर रहे हैं। इस 11 वीं संयुक्त निवेश योजना में शामिल होने के लिए, उसको प्रोफेसर की ट्रेडिंग तैनाती को सख्ती से पूरा करना होगा साथ ही, योजना के अंत में, वह उसके कुल लाभ का 15 प्रतिशत ब्रोकरेज शुल्क लेना होगा। उन्होंने उससे समय समय पर लगभग 10 लाख 50 हजार रूपये जमा कराये। उसके बाद उससे सम्पर्क करना बंद कर दिया। जिसके बाद उसको पता चला कि उसके साथ धोखाधडी हुई है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

'हर उकसावे का पाकिस्तान को दिया जा रहा है मुंहतोड़ जवाब'

नई दिल्ली (कासं)। ऑपरेशन सिंदूर पर विदेश मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की। पाकिस्तान के साथ जारी तनाव पर सैन्य अधिकारियों ने कहा कि उधमपुर, पठानकोट, आदमपुर और भुज एयरबेस को नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा, पाकिस्तान ने मिसाइलें दागीं और अस्पताल तथा स्कूल को निशाना बनाया गया। विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने एयर फोर्स स्टेशन सिरसा और एयर फोर्स स्टेशन सूरतगढ़ के शनिवार सुबह की फोटो दिखाई और कहा कि ये सुरक्षित हैं। सैन्य अधिकारियों ने कहा कि उध मपुर, पठानकोट, आदमपुर और भुज एयरबेस को नुकसान पहुंचा है। इसके

अलावा, पाकिस्तान ने मिसाइलें दागीं और अस्पताल तथा स्कूल को निशाना बनाया गया। विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने एयर फोर्स स्टेशन सिरसा और एयर फोर्स स्टेशन सूरतगढ़ के शनिवार सुबह की फोटो दिखाई और कहा कि ये सुरक्षित हैं। कर्नल सोफिया कुरैशी ने कहा, पाकिस्तानी सेना पश्चिमी सीमाओं पर लगातार हमले कर रही है, उसने भारत के सैन्य ठिकानों पर हमला करने के लिए ड्रोन, लंबी दूरी के हथियार, युद्धक हथियार और लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल किया है। भारत ने कई खतरों को नाकाम कर दिया, लेकिन पाकिस्तान ने 26 से अधिक स्थानों पर हवाई मार्ग से घुसपैठ करने की कोशिश की।

उन्होंने आगे कहा, पाकिस्तान ने पंजाब के वायुसेना बेस को निशाना बनाने के लिए रात 1:40 बजे हाई-स्पीड मिसाइलों का इस्तेमाल किया। उन्होंने स्वास्थ्य सुविध ाओं और स्कूलों पर भी हमला किया। कर्नल सोफिया कुरैशी ने बताया, पाकिस्तान की इन हरकतों के बाद तुरंत जवाबी हमले का एक्शन लिया गया। रफीकी, मुरीद, चकलाला, रहमयार खान पर पाक सैन्य ठिकानों पर सटीक हथियारों और लड़ाकू जेट से हमला किया गया। सियालकोट का एयरबेस भी टारगेट किया गया। कम से कम कोलेटरल डैमेज की क्षति हमने निश्चित की। पाकिस्तान ने नागरिक विमानों की आड़ लेकर अंतरराष्ट्रीय एयर रूट का गलत इस्तेमाल किया।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।
प्रधान संपादक
कांति कुमार
संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार
कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*
कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808
नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।